VAN MAHOTSAV

[22nd July, 2019]

Trees are integral part of human life on the earth. It is well known fact that without trees there is no life. They provide oxygen for our breath and absorb poisonous gas carbon dioxide and return fuel and fodder through biomass production by absorbing this poisonous gas. Trees altogether make a forest which maintains an ecological balance in the nature. But due to excessive pressure on the forests, the area and density under natural forests is decreasing and now there is a need to grow trees outside forests. Many programmes are initiated in the country for plantation drive and Van Mahotsava is one of them.

Forest Research Institute, Dehradun celebrated Van Mahotsav under which seedling of multipurpose trees like Seeta Ashok, Rudraksh, Putranjeeva, Amaltas, Silver oak, Aonla, Jamun, Kanner, Bamboo, etc. were planted in the premises of Jawahar Navodaya Vidayalaya, Shankarpur, Sahaspur, Dehradun. Dr. S. C. Gairola, Director General, Indian Council of Forestry and Education (ICFRE), Dehradun was the Chief Guest on this occasion. Shri A. S. Rawat, Director, Forest Research Institute (FRI), Dehradun was Guest of Honour of the event. All officers, scientists, officials of FRI and ICFRE participated in the programme.

A cultural programme was also organized by the school where different programmes in the form of group songs, dances, drama etc. were presented by the by students on forests and ecological conservation. On this occasion, the Chief Guest, Dr. Gairola addressed the gathering and said that development and conservation has to go by hand in hand. There is need for sustainable development by optimal utilization of our resources. Every citizen of the society has to contribute for the conservation of our mother earth for our better future. There is a need of strong will and interest to do something for ecological conservation. He informed that it a matter of great pleasure that our country is one of 10 countries where forest cover has increased I last few years. He mentioned that the programme “PRAKRITI” launched by ICFRE in the country is providing interface between scientists and students of Kendriya and Navodaya Vidyalayas on forestry and environment related issues. Shri A. S. Rawat, Director, FRI said that that under Programme “PRAKRITI” the institute is arranging exposure visits, environment related competitions and awareness campaigns for students where our scientists and subject experts interact with students and deliver forestry related talks. He further added that more people participatory programmes will be conducted in future. The programme was organized by Extension Division of the institute in collaboration with Jawahar Navodaya Vidyalaya, Dehradun. Dy. Director Generals, Asstt. Director Generals, Head of Divisions, Scientists, officers and officials of ICFRE and FRI were present.

Glimpses of the Event

एफआरआई में मना वन महोत्सव, रोपे पौधे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) द्वारा सोमवार को वन महोत्सव का आयोजन किया गया। शंकरपुर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में आयोजित वन महोत्सव में संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों के साथ स्कूल के शिक्षकों व छात्रछात्राओं ने अशोक, जामुन, अमलतास, आंवला, कनेर व बांस आदि प्रजातियों के पौधे रोपे। पौधरोपण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्कूली छात्रछात्राओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों का साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इससे पहले भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. सुरेश गैरोला ने बतौर मुख्य अतिथि वन महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आईसीएफआरई अपने संस्थानों के माध्यम से प्रकृति नाम से कार्यक्रम चला रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिकों व छात्रों को एक मंच पर लाकर वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में जानकारी को साझा करना है। उन्होंने कहा कि समाज का हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकता है। इसके लिए एक प्रवल इच्छाशक्ति होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हमारा देश उन शीर्ष दस देशों में से एक है जिसमें पिछले कुछ वर्षों में वन क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य होने चाहिए। एफआरआई के निदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि स्कूली छात्रों के लिए संस्थान द्वारा अनेक तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें छात्रों का भ्रमण, पर्यावरण संरक्षण संबंधी अनेक तरह की प्रतियोगिताएं व जागरूकता अभियान शामिल हैं। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी व वैज्ञानिक, विद्यालय के शिक्षक व स्कूली छात्र भी उपस्थित रहे।

शंकरपुर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में मनाया गया वन महोत्सव

छात्र-छात्राओं को बताई पर्यावरण संरक्षण की महत्ता, प्रकृति कार्यक्रम की दी जानकारी

पौधरोपण करते हुए एफआरआई के अधिकारी।

वन अनुंसधान संस्थान ने मनाया वन महोत्सव

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान बहुउपयोगी पौधे जैसे सीता अशोक, जामुन, अमलतास, पुत्र जीवक, आंवला, कनेर, बांस आदि विद्यालय परिसर में लगाए गए। पौधरोपण के पश्चात विद्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें छात्र छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण पर अनेक आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद महानिदेशक डॉ. सुरेश चंद गैरोला ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, अध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद अपने संस्थानों के माध्यम से प्रकृति नामक कार्यक्रम चला रही हैं। जिसका उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं छात्रों को एक मंच पर लाकर वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में जानकारी को साझा करना है। उन्होंने सुझाव दिया कि विकास एवं संरक्षण साथ साथ चलने चाहिए तथा विकास पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए। वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि छात्रों के लिए संस्थान द्वारा अनेक तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें छात्रों का भ्रमण पर्यावरण संरक्षण संबंधी अनेक तरह की प्रतियोगिताएं व जागरूकता अभियान शामिल है। इस कार्यक्रम का आयोजन विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान एवं जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद तथा वन अनुसंधान संस्थान के अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी तथा जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य, अध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

वन अनुंसधान संस्थान में पौधरोपण करते छात्र-छात्राएं व सदस्य। छाया-भास्कर

वन अनुसंधान ने रोपे कई प्रकार के पौधे

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

छात्र छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण पर अनेक आकर्षक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की

समाज का हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान देहरादून द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, देहरादून में वन महोत्सव का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत अनेक तरह के बहुउपयोगी पौधे जैसे सीता अशोक, जामुन, अमलतास, पुत्रजीवक, आंवला, कनेर, बांस आदि का विद्यालय के परिसर में रोपण किया गया।

जिसमें संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने विद्यालय के छात्रों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। तत्पश्चात विद्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का

लाकर वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में जानकारी को साझा करना है। उन्होंने कहा कि समाज का हर व्यक्ति

FRI Celebrates Van Mahotsav-2019

Dehradun: Forest Research Institute, Dehradun celebrated Van Mahotsav - 2019 under which seedling of multipurpose trees like Seeta Ashok, Rudraksh, Putranjeeva, Aonla, Amaltas, Jamun, Kanner, Bamboo, etc. were planted in the premises of Jawahar Navodaya Vidayalaya, Shankarpur Sahaspur, Dehradun. Dr. S. C. Gairola, Director General, Indian Council of Forestry and Education (ICFRE), Dehradun was the Chief Guest on this occasion. Shri A. S. Rawat, Director, Forest Research Institute (FRI), Dehradun was the Guest of Honour of the event. Officers, scientists, officials of FRI and ICFRE participated in the programme.

On the occasion, a cultural programme was also organized by the Vidyalaya where students presented various thematic programmes on ecological conservation and environmental issues in the form of dances, skids etc. The Chief Guest, Dr. Gairola addressed the gathering and said that development and conservation has to go by hand in hand. There is need for sustainable development by optimal utilization of our resources. Every citizen of the society has to contribute for the conservation of our mother earth for our better future. There is a need of strong will and interest to do something for ecological conservation. He informed that it a matter of great pleasure that our country is one of 10 countries where forest cover has increased I last few years. He mentioned that the programme 'PRAKRITI' launched by ICFRE in the country is providing interface between scientists and students of Kendriya and Navodaya Vidyalayas on forestry and environment related issues. Shri A. S. Rawat, Director, FRI said that that under Programme "PRAKRITI" the institute is arranging exposure visits, environment related competitions and awareness campaigns for students where our scientists and subject experts interact with students and deliver forestry related talks. He further added that more people participatory programmes will be conducted in future. The programme was organized by Extension Division of the institute. Dy. Director Generals, Asstt. Director Generals, Head of Divisions, Scientists, officers and officials of ICFRE and FRI were present.

ıns High
›rganisations

ı Monday condemned
atives of Sikh
e report submitted by the

chief parliamentary
gress government had
to demand withdrawal of
including water canons
it gun shots were also

Voices For Return Of Pandits To Valley Deceptive: Civil Society Organisation

Jammu: Citizens Forum, Jammu, a civil society organisation, on Monday, asserted that voices for the return of Kashmiri Pandits to the Valley are not out of love for them, but for the fund of Rs 30,000 crore, which are to be spent on their rehabilitation programme.

the veteran Bharatiya Janata Party leader Atal Bihari Vajpayee, then the Premier, for the settlement of Kashmiri Pandits,' Forum president R K Chadha averred in a statement here.

out giving a concrete plan of their sec...

Dec... ...ha
stated, '... ing an i... ...
ternation... ...al
we are r... ...just